न्यूज डायरी

अमेरिका में पुलिस की एक और क्रूरता, बुजुर्ग प्रदर्शनकारी का सिर फटा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका में अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लायड की मौत के बाद भड़के विरोध प्रदर्शन अभी शांत भी नहीं हुए थे कि अमेरिकी पुलिस का एक और क्रूर रवैया सामने आया है। न्यूयॉर्क पुलिस ने एक निहत्थे बुजुर्ग प्रदर्शनकारी को ढकेल दिया। जमीन पर गिरने से प्रदर्शनकारी का सिर फट गया और वह बेहोश हो गया। प्रदर्शनकारी को खून निकलता देखने के बाद भी पुलिसकर्मी उसकी मदद के लिए नहीं रुके। प्रदर्शनकारी के साथ न्यूयॉर्क पुलिस की इस क्रूरता का विडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। अब तक 18 मिलियन से ज्यादा लोग इसे देख चुके हैं। इस घटना के बाद दोनों आरोपी पुलिसकर्मियों को पुलिस कमिश्नर ने सस्पेंड कर दिया है और मामले की जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उसकी हालत स्थिर है।

ब्रिटिश सिख सासंद ने ऑपरेशन ब्लू स्टार की जांच की मांग की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन में विपक्षी दल लेबर पार्टी के सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी ने भारत में जून 1984 में हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार में मार्गरेट थैचर के नेतृत्व वाली तत्कालीन ब्रिटिश सरकार की भूमिका की स्वतंत्र जांच की मांग की है। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में भारतीय सेना के अभियान ऑपरेशन ब्लू स्टार के 36 वर्ष पूरा होने के मौके पर ब्रिटेन के पहले पगड़ीधारी सिख सांसद ढेसी ने बृहस्पतिवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने इस पर चर्चा की भी मांग की। ढेसी ने कहा, ''इस हफ्ते उस घटना को 36 वर्ष पूरे हो गए जब तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सिखों के सबसे पवित्र स्थल अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में हमले का आदेश दिया था।'' उन्होंने कहा, ''हाल में हुए खुलासों, ब्रिटेन के सिख समुदाय की मांग और लेबर पार्टी तथा अन्य विपक्षी दलों के इसके समर्थन के बावजूद हमले में थैचर सरकार की भूमिका का पता लगाने के लिए स्वतंत्र जांच नहीं करवाई गई।''

कोरोना से मौतों के मामले में इटली से आगे निकला ब्राजील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 66 लाख को पार कर गई है, जबकि जानलेवा महामारी से जान गंवाने वालों का आंकड़ा 3 लाख 91 हजार से अधिक हो गया है। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के अनुसार, कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित अमेरिका है, जहां संक्रमितों की संख्या 18 लाख 72 हजार है। कोरोना से हुई मौतों के मामले में भी अमेरिका सबसे आगे है। यहां अब तक 1.8 लाख लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, कोरोना संक्रमण के मामले में दूसरे नंबर पर खड़ा ब्राजील अब कोरोना से हुई मौतों के मामले में इटली को पीछे छोड़ तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। ब्राजील में कोरोना वायरस से कुल 34 हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। ब्राजील में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है।

श्रीलंका में फंसे दर्जनों पर्यटकों की मदद को आगे आया यह शख्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। कोरोना महामारी के दौरान समस्याओं का सामना करने वालों की मदद को कई लोग सामने आए हैं। इस मुश्किल घड़ी में कई लोगों ने इंसानियत का परिचय देते हुए बेसहारों की मदद की है। इसी तरह श्रीलंका में कैफे चला रहा एक शख्स लोगों की सहायता कर रहा है। उन्होंने श्रीलंका में फंसे पर्यटकों को मुफ्त खाना और रहने के लिए जगह दी है। इस शख्स का नाम दर्शन रतनायक है और ये इल्ला में एक कैफे चलाते हैं। एक 31 वर्षीय अमेरिकी क्रूज लाइन मनोरंजन निर्देशक एलेक्स डेगमेटिच ने बताया, ष्हम पश्चिमी देशों से है जहां हमें हर चीज के लिए भुगतान करना होता है, लेकिन यहां स्थानीय लोग पर्यटकों को मुफ्त खाना और रहने के लिए जगह दे रहे हैं, यह बहुत सुखद बात है। श्रीलंका में घूमने आए 11 देशों के पर्यटक फंसे हुए हैं, डेगमेटिच भी उन्हीं लोगों में शामिल हैं।

डीजल मिलने के बाद सफेद से लाल हुई साइबेरियाई नदी

रूस के साइबेरिया में पॉवर प्लांट से 20 हजार टन डीजल का रिसाव

ऐलान

- राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने राज्य इमरजेंसी की घोषणा की, घटना पर जताई नाराजगी
- नदी को साफ करने का काम युद्ध स्तर पर जारी, 350 वर्ग मील का इलाका प्रभावित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। रूस के साइबेरिया में एक पॉवर प्लांट से 20 हजार टन डीजल के रिसाव के बाद नजदीक से बहने वाली नदी का रंग सफेद से लाल हो गया है। बता दें कि इस रिसाव के भयावहता को देखते हुए गुरुवार को राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने स्टेट इमरजेंसी का ऐलान किया था। जिस प्लांट से तेल का रिसाव हुआ है वह साइबेरिया के नोर्लिस्क शहर में स्थित है।

नदी का रंग सफेद से हुआ लाल पॉवर प्लांट से डीजल बहकर अंबरनाया नदी में मिल गया है। जिससे इस नदी का रंग बदल गया है। रूसी विशेषज्ञ इस नदी को साफ करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास कर रह हैं। वहीं कई पर्यावरण विशेषज्ञों ने दावा किया है कि इस नदी को साफ करने की लागत 1.16 बिलियन यूरो तक पहुंच सकती है। ऐसी आशंका है कि प्रदूषण ग्रेट आर्कटिक स्टेट नेचर रिजर्व में फैल सकता है। बता दें कि इस रिजर्व में प्रदूषण के पहुंचने से जलीय जीवन को भारी नुकसान हो सकता है।

350 वर्गमील क्षेत्र में फैला प्रदूषण रूसी पर्यावरण विशेषज्ञों ने आने वाले दिनों में साइबेरिया क्षेत्र में जल और मृदा संकट की आशंका जताई है। उन्होंने कहा है कि इस रिसाव से 350 वर्ग मील से ज्यादा एरिया प्रभावित है। यहां की अंबरनाया नदी में 15 हजार टन पेट्रोलियम उत्पाद मिल गए हैं। जिसकी सफाई करना अब बहुत मुश्किल काम है। यह नदी आगे जाकर एक झील से मिलती है।

क्यों हुआ डीजल लीकः बताया जा रहा है कि प्लांट में तेल का रिसाव फ्यूल टैंक का एक पिलर धंसने से कारण शुरू हुआ था। यह टैंक बर्फीली कठोर जमीन पर बना हुआ था जो तापमान बढ़ने के बाद पिघलने लगी। हालांकि साइबेरिया क्षेत्र में ऐसी घटना कम ही देखने को मिलती है। बता दें कि इस घटना के बारे में कंपनी नोर्लिस्क निकिल की तरफ से अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

शुक्रवार से ही शुरू हुआ था डीजल का रिसावः साइबेरिया के जिस प्लांट से डीजल का रिसाव हुआ है वह नोर्लिस्क निकिल की एक इकाई है। यह कंपनी निकेल और पैलेडियम ध ाातु का उत्पादन करने के मामले में दुनिया के शीर्ष कंपनियों में शामिल है। इस कंपनी में तेल का रिसाव शुक्रवार से ही शुरू हो गया था लेकिन, पर्याप्त रोकधाम के उपाय न करने के कारण दो दिनों में 20 हजार टन डीजल बह गया।

सेना तैनात करने पर ट्रंप और अमेरिकी रक्षामंत्री में ठनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका में अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लायड की मौत के बाद भड़की हिंसा को रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रक्षामंत्री मार्क एस्पर के बीच ठन गई है। अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए सेना की तैनाती का विरोध ा किया है। इससे पहले राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए सड़कों पर सेना की तैनाती की धमकी दी थी।

बुधवार को देश में सड़कों पर प्रदर्शनों को दबाने के लिए सेना का पूरी तरह इस्तेमाल करने की ट्रंप की चेतावनियों

जिम मैटिस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना नाजी से की

से दूरी बना ली। एस्पर ने कहा, कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना की तैनाती अंतिम विकल्प के रूप में की जानी चाहिए। साथ ही, बेहद जरूरी और आपात स्थिति में सेना का प्रयोग करना चाहिए। राष्ट्रपति ने संकेत दिया था कि अगर राज्य के गवर्नर हिंसा नहीं रोक सके तो वह सभी उपलब्ध सैन्य बलों का इस्तेमाल करेंगे।

हालांकि, एस्पर ने पेंटागन के उस फैसले को बदल दिया कि वॉशिंगटन इलाके से ड्यूटी पर तैनात सैनिकों को घर भेजा जाएगा।

भारत ने यूएनएससी में सदस्यता के लिए अपनी प्राथमिकताएं बताई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सीट सुरक्षित करने के अपने अभियान की प्राथमिकताएं सामने रख दी हैं और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया है कि देश ऐसे समय में एक "सकारात्मक वैश्विक भूमिका" निभा सकता है जब कोविड–19 वैश्विक महामारी और इसके गंभीर आर्थिक प्रभाव पूरी दुनिया की एक असाधारण परीक्षा लेंगे। जयशंकर ने 17 जून, 2020 को निर्धारित यूएनएससी के चुनावों में निर्वाचित सीट सुरक्षित करने के अपने आगामी अभियान के लिए भारत की प्राथमिकताएं दर्शाने के लिए यहां एक कार्यक्रम में पुस्तिका का विमोचन किया।

जिस स्टडी के आधार पर डब्ल्यूएचओ ने एचसीक्यू पर लगाई थी रोक, उसे द लैंसेट ने वापस लिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल द लैंसेट ने अपने उस स्टडी को वापस ले लिया है जिसमें दावा किया गया था कि कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों पर हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन दवा का इस्तेमाल करने से उनकी मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है। जर्नल ने ट्वीट कर कहा कि आज तीन लेखकों ने "HydroÛychloroquine or chloroquine with or without a macrolide for treatment of COVID&19 "a multinational registry analysis" नाम के अपने अध्ययन को वापस ले लिया है।

इसलिए शोध लिया वापसः लैंसेट जर्नल ने लिखा कि तीनों लेखक अपने विश्लेषण को रेखांकित करने वाले डेटा का एक स्वतंत्र ऑडिट पूरा करने में असमर्थ थे। जिसके आधार पर इस स्टडी को वापस लिया जा रहा है। लैंसेट अपने साइंटिफिक इंट्रीग्रिटी को बहुत गंभीरता से लेता है। इस शोध से जुड़े डेटा को लेकर उठ रहे सवालों के जवाब देने में लेखक असमर्थ थे। पब्लिकेशन एथिक्स और मेडिकल जर्नल एडिटर्स के दिशानिर्देशों के बाद इस रिसर्च को समीक्षा के लिए वापस लिया जा रहा है।

इसी शोध के आधार पर डब्ल्यूएचओ ने लगाई थी रोक बता दें कि इसी शोध के आधार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन के ट्रायल पर रोक लगा दी थी। इस साइंस जर्नल में प्रकाशित स्टडी में दावा किया गया था कि कोरोना वायरस से संक्रमितों के इलाज में जहां हाइड्रॉक्सिक्लोरोक्विन दवाई दी जा रही है, वहां मौत का खतरा ज्यादा है। इसी स्टडी के आधार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस दवा के ट्रायल पर रोक लगा दी थी।

मरीजों के मृत्युदर बढ़ने का दावा द लैंसेट की स्टडी में शोधकर्ताओं ने कोरोना वायरस से संक्रमित 96,000 मरीजों के शामिल होने का दावा किया था।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के 4896 मामले सामने आये

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वायरस के चार हजार 896 नये मामले सामने के साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या बढ कर 89 हजार 249 हो गयी है। देश में कोविडकृ19 से मरने वालों की संख्या बढ कर 1838 हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।

पाकिस्तान में मई के आखिर में ईद के अवकाश के बाद यह लगातार यह तीसरा दिन है जब रिकार्ड संख्या में कोरोना वायरस के संक्रमित मामले सामने आये हैं। ईद के मौके पर लॉकडाउन में छूट दी गयी थी। सबसे अधिक संक्रमित सिंध प्रांत में है जहां 33 536 लोग संक्रमित हैं । इसके बाद पंजाब, खैबर पख्तुनख्वा, बलूचिस्तान, इस्लामाबाद, गिलगित बाल्तिस्तान एवं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का नंबर आता है जहां कोरोना वायरस संक्रमण के क्रमशरू 33144, 11890, 5582, 3946, 852 तथा 299 मामले हैं । मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटे में 22812 लोगों की जांच की गयी है जो एक रिकार्ड है । देश में अबतक 6038323 लोगों के नमूनों की जांच की जा चुकी है।